

जबलपुर में पटवारी के बयान पर बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बहनों का अपमान बर्दाशत नहीं करेंगे

महिला मोर्चा ने पुतला दहन किया



जबलपुर। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां कहा कि मप्र कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी का बयान शर्मनाक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं किया जायेगा। जबलपुर में अल्पप्रवास में आए मुख्यमंत्री पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री पटवारी ने महिलाओं पर जिस तरह का बयान दिया है उससे बहनों का अपमान हुआ है, भाजपा इसे कतई बर्दाशत नहीं करेगी, भाजपा ने नाराजगी जताते हुए मांग की है कि जीतू पटवारी बहनों से माफी मांगें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने भी जीतू पटवारी के शराब को लेकर दिए गए बयान पर नाराजगी जताई है। जबलपुर पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उनका यह बयान बहुत निंदनीय है। लाडली बहनों के लिए इस तरह की टिप्पणी करना कांग्रेस के नेताओं को शोभा नहीं देता है। हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि जिन बहनों का देश भर में सम्मान किया जाता है। उनके लिए इस तरह का अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करना शायद कांग्रेस के नेता ही कर सकते हैं।



भाजपा महिला मोर्चा द्वारा मालवीय चौक पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का पुतला दहन किया गया। महिला मोर्चा की अध्यक्ष रुपा राव ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने महिलाओं के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी की है जिसके लिए पुतला दहन किया गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की महिलाएं उपस्थित रही।



वोट चोरी की सरकारों से लोकतंत्र खतरे में

जबलपुर में वोट न्याय यात्रा में बोले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी

जबलपुर। मप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यहां कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव आयोग गुलाम बन गया है। वोट चोरी कर सरकार बनाई जा रही है। देश भर में हमारे नेता राहुल गांधी लोकतंत्र और संविधान को बचाने, वोट चोरी के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। इसी सिलसिले में जबलपुर में वोट न्याय यात्रा निकाली जा रही है। श्री पटवारी वोट न्याय यात्रा के पूर्व गोलबाजार में सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दुनिया का सबसे खूबसूरत लोकतंत्र हमें देश की आजाद के बाद उस वक्त मिला जब बाबा साहेब अंबेडकर ने देश का संविधान बनाया। हमारे लोकतंत्र को दुनिया का सबसे अच्छा लोकतंत्र माना जाता है लेकिन दुर्भाग्यवश आज सत्ता में बैठे लोग लोकतंत्र और संविधान के साथ

खिलवाड़ कर रहे हैं। जिस देश में एक वोट से सरकार चली जाती है उस देश में वोट चोरी करके सरकार बनाई जाए तो फिर लोकतंत्र बचेगा कहा। श्री पटवारी ने कहा कि चुनाव आयोग की पारदर्शिता और निष्पक्षता सवालों के घेरे में है। चुनाव आयोग पिजड़ के तोते की तरह काम कर रहा है। पहले देश में वोट चोरी कर सरकार बनाई गई, बाद में राज्यों में भी यह हथकंडा अपनाया गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी वोट चोरी के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं और लोकतंत्र को बचाने वोट न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। मप्र में जबलपुर में इसकी शुरुआत हो चुकी है और अब पूरे प्रदेश में इस तरह की यात्रा निकाली जाएगी। इसके पूर्व श्री पटवारी का दोपहर ढाई बजे के लगभग सड़क मार्ग से जबलपुर आगमन हुआ, वे सीधे गोलबाजार पहुंचे और यहां एक

सभा को संबोधित करने के बाद वोट न्याय यात्रा का नेतृत्व किया। यह यात्रा पैदल मार्च करते हुए कलेक्टर पहुंची, जहां महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया। पद यात्रा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, दिनेश यादव, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, आलोक मिश्रा, चिंटू चौकसे, राजेश पटेल, अमरीश मिश्रा, रूपेंद्र पटेल, राजेश तिवारी, सतीश उपाध्याय, कोशलया गोटीया, सुखदेव यादव, रमेश चौधरी, बाबू शंकर सोनकर, अजय अग्रवाल, राजेंद्र यादव, वीरेंद्र चौबे, सुहेल सिद्दीकी, कदीर सोनी, भूपेंद्र पहलवान, चतुर सिंह लोधी, परमलाल, टीकाराम कोटा, आदि शामिल थे।

भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में जनसुनवाई में पहुंचे सैकड़ों किसान

कृषि माफिया पर कार्यवाही करने कलेक्टर व एसपी से गुहार

जबलपुर। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय व कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई किसानों के नाम रही। भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल व संभाग उपाध्यक्ष दामोदर पटेल के नेतृत्व में फर्जी सिकमीनामा के आधार पर पथरिया गांव के 55 किसानों के साथ की गई धोखाधड़ी मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक व जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना से करने पहुंचे। शहपुरा अनुविभागीय अधिकारी व बेलखेड़ा थाने में 6 दिन पूर्व शिकायत देने के बावजूद कोई कार्यवाही न होने से किसानों ने नाराजगी व्यक्त की। पथरिया के किसान महेंद्र अवस्थी ने बताया कि किसानों की लगभग पांच सौ एकड़ जमीन पर फर्जी सिकमीनामा चढ़ाकर उन्हें पूरे वर्ष के लिए एमएसपी पर फसल बेचने व शासकीय खाद वितरण केंद्रों से खाद लेने से वंचित कर दिया है। प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि एमएसपी किसान का हक है और यह अधिकार छीनने वालों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए।



कृषि माफिया पर हो कड़ी कार्यवाही

किसान संघ के महानगर अध्यक्ष राजकुमार पटेल ने बताया कि कि मूंग उपाजर्ज केंद्र पर वेंचर हाउस मालिक, समिति प्रबंधक, सर्वेयर व प्रशासनिक अधिकारियों ने व्यापारियों से मिलकर कृषि माफिया का समूह बना लिया है। बिना कृषि माफिया की फॉस चुकाए किसान एमएसपी पर फसल ही नहीं बेच सकता है। श्री पटेल ने कहा कि जिला प्रशासन जिम्मेदार अधिकारियों को बचाने की बजाय उन पर कड़ी कार्यवाही करे। जिससे प्रशासन व सरकार की छवि खराब न हो।

पहुंचे। किसान संघ के पदाधिकारियों के नेतृत्व में शांतिपूर्ण व अनुशासन के साथ किसानों ने अपनी मांगों से प्रशासन को अवगत कराया और मूंग खरीदी घोटाले व फर्जी पंजीयन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कड़ी कार्यवाही करने का निवेदन किया। जनसुनवाई में पहुंचे किसान अपनी शिकायत सौ रूप के स्टाम्प पर लेकर आए और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन लेने नियुक्त अधिकारी मधुर पटेलिया व कलेक्टर कार्यालय में नाथव तहसीलदार राजाराम कोल को सौंपी। स्टाम्प पर किसानों ने सामूहिक शपथ पत्र देकर कहा कि उनके द्वारा जो शिकायत में बाते कही गई हैं वह सत्य है और जिनके प्रमाण भी सलग्न हैं।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल, सम्भागीय उपाध्यक्ष दामोदर पटेल, प्रांत कार्यालय मंत्री आलोक पटेल, महानगर अध्यक्ष राजकुमार पटेल, पथरिया गांव के किसानों में प्रमुख रूप से महेंद्र अवस्थी, दिलीप जैन, अमित जैन, अर्जुन सिंह, शोख रस्तम, शोख रकीब, अश्वनी गौड़, श्रीराम चंद्रार, राम मिलन, रघुवीर प्रसाद सहित सैकड़ों की संख्या में किसानों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कलेक्टर, एसपी कार्यालय पहुंचे किसान

जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर पथरिया

गांव के सैकड़ों किसान अपने स्वयं के खर्चों पर न्याय मांगने पुलिस अधीक्षक व कलेक्टर कार्यालय

पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट में युवक व युवती घायल

जबलपुर। बरेला चौकी गौर सालीवाड़ा में पुरानी रंजिश पर दो पक्षों ने एक दूसरे के साथ गालीगलौज व मारपीट कर एक दूसरे को चोटें पहुंचा दी। मारपीट में एक युवक व एक युवती को चोटें आई हैं। बरेला चौकी गौर से प्राप्त जानकारी के अनुसार सालीवाड़ा निवासी 32 वर्षीय किसान उमेश पटेल गत शाम लगभग 7 बजे पेट्रोल पम्प के पास सत्तू की दुकान के सामने सालीवाड़ा में खड़ा था, उसके परिवार की रूची लोधी वहीं पर खड़ी थी जो उससे पुराने विवाद के बारे में बात कर रही थी तभी रूची लोधी का चाचा मुकेश पटेल आकर उसके साथ गाली गलौज करने लगा, उसने गालियां देने से मना किया तो उसके साथ झूमाझपटी कर मारपीट कर उसे सीना एवं सिर में चोट पहुंचा दी तथा जान से मारने की धमकी दी। वहीं दूसरा पक्ष ग्राम सालीवाड़ा निवासी 22 वर्षीय छात्रा रुचि लोधी गत शाम लगभग 7 बजे अपने छोटे भाई ऋषभ लोधी के साथ अपनी किराना दुकान से स्कूटी में बैठकर गौर तिराहा तरफ सामान लेने जा रही थी जैसे ही पेट्रोल पम्प के पास सत्तू की दुकान के पास पहुंची उसके परिवार का उमेश पटेल पुरानी रंजिश पर गालियां देने लगा, मना करने पर उमेश पटेल ने उसके साथ हाथ मुक्कों से मारपीट की और उसका वायां हाथ मरोड़ दिया जिससे हाथ में चोटें आ गयीं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 351(2), 35(3) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।



जनेकृविवि के 64 कर्मों हुये समयमान वेतनमान योजना से लाभान्वित

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के 64 कर्मियों को समयमान वेतनमान योजना का लाभ प्रदान किया गया है। कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अनुशंसा से कुलसचिव डॉ. ए. के. जैन ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं, जिसमें दस वर्ष के 25, बीस वर्ष के 05, वर्ष के 05, तीस वर्ष के 11 और 35 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके 23 कर्मियों को समयमान वेतनमान का लाभ प्राप्त हुआ है। अब इन कर्मियों के वेतन में बढ़ोत्तरी होगी। वहीं सहायक श्रेणी-3 के चार और भूतय के 02 कर्मियों को परिवीक्षा अवधि समाप्ति का लाभ प्रदान किया गया

है। इसके साथ ही कार्यपालन यंत्री विभाग में संविदा नियुक्ति के तहत 64 कर्मियों को समयमान वेतनमान योजना से लाभान्वित किया है। इससे अलावा विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनुकम्पा नियुक्ति की प्रक्रिया भी दिवंगत के परिवार को दो माह के भीतर ही 03 लोगों को इसका लाभ प्रदान किया है। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. ए.के. जैन ने बताया कि अभी समयमान वेतनमान योजना का लाभ, अनुकम्पा नियुक्ति लाभ, परिवीक्षा अवधि समाप्ति लाभ और कार्यपालन यंत्री कार्यालय में संविदा के 3 पदों पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

3 को मिली अनुकम्पा नियुक्ति, 2 कर्मियों को मिला परिवीक्षा अवधि समाप्ति का लाभ

मुख्यमंत्री से मिले अभियंता संघ प्रतिनिधि, सौपा मांगपत्र

ऊर्जा क्षेत्र के उत्थान और अभियंताओं की हितों की रखी बात

हरिभूमि, जबलपुर। मुख्यमंत्री अभिनंदन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विद्युत मंडल अभियंता संघ के पदाधिकारी जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर और इंदौर से पहुंचे। इस अवसर पर संघ ने मुख्यमंत्री को गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया और विद्युत क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर मांग एवं सुझाव पत्र सौंपा।

मां-बेटी ने की मारपीट

जबलपुर। सिहोरा थाना अंतर्गत पौड़ी कालोनी पंचपेड़ी सिहोरा में बिना कारण गालीगलौज करते हुए एक मां-बेटी ने एक युवक के साथ झूमाझपटी करने लगी, जब युवक की मां ने बीच बचाव किया तो उस पर लाठी से हमला कर चोटें पहुंचा दी। सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार पौड़ी कालोनी पंचपेड़ी सिहोरा निवासी 35 वर्षीय श्रीमति शाहजहां के घर के पास तहसीली की बाउण्ड्री बन रही है वहीं से उसका बेटा हसन अली आ रहा था जैसे ही सकीना के घर के सामने पहुंचा, तभी सकीना और उसकी बेटी शायना बिना कारण उसके बेटे हसन अली के साथ गालीगलौज कर उसके साथ झूमाझपटी करने लगीं, हसन की मां शाहजहां बीच बचाव करने पहुंची, तो सकीना ने लाठी से हमलाकर हाथ, पैर व पीठ में चोटें पहुंचा दीं तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों मां-बेटी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 351(3), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

स्मार्ट सिटी अस्पताल

अमित खरे की गुंडागर्दी, झूठे रसूख और फर्जीवाड़े का नया खुलासा पार्टनरशिप के नाम पर लाखों की टगी!

हरिभूमि, जबलपुर।

स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर फर्जीवाड़ा और ठगी का अड्डा बन चुका स्मार्ट सिटी अस्पताल और इसके स्वयंभू भाजपा नेता संचालक अमित खरे का एक और काला खेल सामने आया है। खरे ने शहर के कई नामचीन और प्रतिष्ठित पेशों से जुड़े लोगों को पार्टनर बनाने का झांसा देकर लाखों रुपये हड़प लिए। पीड़ितों को 50-50 हजार रुपये के चेक देकर विश्वास दिलाया गया, लेकिन न तो अस्पताल से होने वाले मुनाफे की कोई जानकारी दी और न ही उनकी मूल रकम लौटाई गई। उल्टा जब लोग अपना हक मांगने पहुंचे, तो खरे ने अपने राजनीतिक रसूख और गुंडागर्दी का हवाला देकर उन्हें धमकाया।

दर्जनभर से ज्यादा लोग बने शिकार

हरिभूमि को पड़ताल में सामने आया कि करीब एक दर्जन से अधिक लोग इस धोखाधड़ी के शिकार बने हैं।



सभी जल्द ही एसपी से मिलकर लिखित शिकायत करेंगे और खरे द्वारा दिए गए चेक व ज्यादाती की दास्तां सामने रखेंगे। यानी अब खरे का यह काला कारोबार सिर्फ अफवाह नहीं बल्कि दस्तावेजी सबूतों के साथ उजागर होने जा रहा है।

रेत माफिया की पार्टी में हवाई फायर, पिस्टल जब्त

कुछ माह पहले खरे का आपराधिक चेहरा तब उजागर हुआ जब उसने एक रेत माफिया के जन्मदिन समारोह में खुलेआम हवाई फायरिंग की। इसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। पुलिस ने खमरिया थाने में प्रकरण दर्ज कर उसकी लाइसेंस पिस्टल भी जब्त कर ली थी। यह घटना बताती है कि खरे किस तरह खुद को कानून से ऊपर मानकर चलता है।

बीमा कंपनी से भी फर्जीवाड़े की कोशिश

इतना ही नहीं, खरे ने बीमा कंपनी निवाहुका को यह कहकर चूना लगाने की कोशिश की कि इलाज करने वाला डॉक्टर विकटोरिया अस्पताल में पदस्थ है। लेकिन जब कंपनी के अधिकारी सीधे डॉक्टर तक पहुंचे, तो सारा खेल उजागर हो गया। डॉक्टर ने मरीज और फाइल देखकर फर्जीवाड़े को सिर से खरिज कर दिया। बीमा कंपनी खुद हैरत में रह गई कि किस तरह खरे सरकारी डॉक्टरों का नाम तक बेचकर कलेम हथियाने की साजिश कर रहा था।

निर्णायक कारवाई की मांग

अमित खरे पर फर्जी एमप्लसी, बीमा क्लेम हड़पने और गुंडागर्दी जैसे गंभीर आरोप पहले भी लग चुके हैं। अब पार्टनरशिप के नाम पर ठगी और डॉक्टरों की रकम दबाने जैसे नए खुलासे ने उसके काले कारोबार को फिर से बेनकाब कर दिया है। सवाल यह है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग आखिर कब तक आंख मूंदकर कब तक बैठे रहेंगे?

डॉक्टर और लैब टेक्नीशियन की भी रकम हड़पी

खरे का फर्जीवाड़ा यहीं खत्म नहीं होता। कोरोना काल से लेकर अब तक उसने निजी अस्पतालों के डॉक्टरों और लैब टेक्नीशियन की सेवाएं तो लीं, लेकिन उनकी मेहनताना रकम भी दबा गया। यह रवैया साफ करता है कि खरे का धंधा मरीजों के साथ ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े पेशेवरों को ठगने पर भी टिका है।

इस बार 11 दिन रहेगी गणेशोत्सव की धूम

आज घर-घर विराजेगे भगवान गणेश

जबलपुर। विघ्न विनाशक, बुद्धि विनायक, रिद्धि-सिद्धि के दाता, प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना का दस दिवसीय जन्मोत्सव पर्व बुधवार 27 अगस्त से प्रारंभ हो रहा है। सुबह-सुबह जहां जय गणेश जय गणेश की गूंज के साथ प्रतिमाओं की घर-घर स्थापना होगी। सनातन धर्म में गणेश उत्सव पर्व की महिमा भी निराली है। ब्रह्माण्ड का सबसे पहले चक्कर लगाने की परीक्षा में उन्होंने अपने माता-पिता की परिक्रमा पूरी कर बुद्धि विनायक की उपाधि ली और प्रथम पूज्य कहलाए। इस साल 10 दिन के बजाय 11 दिन का गणेशोत्सव है।



आज से गणेश धाम में विराजेगे चौंदी से बने श्रीगणेशजी महाराज

विगत 15 वर्षों से प्रसिद्ध है। उन्होंने बताया कि मंदिर में आज 27 अगस्त को चौंदी से बने श्रीगणेश जी के विराजते ही शुरू होगा महागणेशोत्सव का पर्व। पिछले 15 वर्षों से इस श्री सिद्ध गणेश धाम, रजत गणेश मंदिर, ग्वारीघाट में चौंदी से निर्मित गणेश मूर्ति की स्थापना होती आ रही है। आचार्य श्री तिवारी ने जानकारी दी कि आज 27 अगस्त दिन बुधवार सायं 07:00 बजे मंदिर परिसर में मूर्ति की स्थापना होगी एवं 6 सितम्बर 2025 तक प्रतिदिन सायं 05:00 बजे से 07:30 बजे तक गणेश जी का सहस्त्रार्चन किय जावेगा। मनोकामना पूर्ति हेतु अर्जा प्रातः 07:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक भक्तगण लगा सकते हैं।



हरतालिका का पर्व श्रद्धा व आस्था से मनाया गया

व्रतधारी महिलाओं ने किया रतजग

जबलपुर। हरतालिका (तीजा) का पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस दिन महिलाएं 24 घंटे तक निर्जला व्रत रखकर रात के चारों पहरे भगवान शंकर और माता गौरी पार्वती की पूजन अर्चन करती हैं। रतजग कर भक्तिपूर्ण किया जाता है। महिलाएं जहां पति के दीर्घायु होने की कामना को लेकर यह व्रत रखती हैं, वहीं अविवाहित युवतियां सुयोग्य और मनवाहा पति की कामना को लेकर तीजा का व्रत रखती हैं। पौराणिक मान्यता है कि माता पार्वती ने तीजा का व्रत रखकर भगवान भोले शंकर को पाया। हरतालिका पर घर-घर फुलेहरा बांधकर गौरी-पार्वती और भोले शंकर की आराधना की गई। चारों पहरे हवन-पूजन किया गया। मजज कौतिल का दौर चलता रहा। महिलाओं ने रात्रि जागरण करने के लिये रात भर गाना-बजाना किया। भोर के पहले पहरे शिवालयों में भी व्रतधारी महिलाओं की भीड़ उमड़ी। तड़के चार बजे पूजन अर्चन और हवन किया।



श्रद्धालुओं ने उदाया भागवत भक्ति का आनंद

पचमटा मंदिर गढा में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन

जबलपुर। लघु काशी पचमटा मंदिर गढा में आयोजित आठ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य समापन विगत दिवस विधिवत संपन्न हुआ। विगत 19 अगस्त से प्रारंभ हुए इस भागवत कथा में श्रीधाम वृंदावन से पधारे भागवत मनीषी स्वामी राम प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने अपनी ओजस्वी वाणी से श्रीमद् भागवत कथा का गुणगान किया। कार्यक्रम की शुरुआत विगत 19 अगस्त को भव्य कलश और शोभायात्रा से प्रारंभ हुई। गाने-बाजे एवं भक्ति मय बैड धुन दल्ल दल्ल घोड़ी और भक्ति गीतों के साथ श्रद्धालुओं ने संपूर्ण गढा क्षेत्र में श्रीमद् भागवत कथा का जय घोष किया। तत्पश्चात व्यास पीठ के पूजन अर्चन एवं दीप

प्रज्वलन के साथ कथा का शुभारंभ हुआ आठ दिनों तक अनवरत चली इस भागवत कथा में श्रीमद् भागवत के महात्म्य से लेकर परीक्षित जन्म ध्रुव भरत चरित्र प्रह्लाद चरित्र कृष्ण जन्मोत्सव गोवर्द्धन पूजा रुक्मिणी विवाह सुदामा चरित्र जैसे दिव्य प्रसंगों का महाराज श्री ने वर्णन किया। व्यास पीठ का पूजन-अर्चन महेंद्र, सुरेन्द्र, देवेंद्र विराज तिवारी ने किया। भागवत मनीषी स्वामी राम प्रपन्नाचार्य जी ने इन आठ दिनों में अपनी पावन अमृतमयी वाणी से श्रद्धालुओं को भागवत भक्ति में सराबोर कर दिया भागवत कथा संयोजक हिराज तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा के समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया समापन समारोह में गुरु परिवार के राजेश पटेल ने आयोजन की सफलता के लिए एवं सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया कार्यक्रम को सफल बनाने में नौराजा सुरेन्द्र तिवारी, भारती देवेंद्र तिवारी, महेंद्र विराज तिवारी, नीति अमय तिवारी, सीमा बरेंद्र तिवारी, अल्पना राजेंद्र तिवारी, स्मृति आनंद तिवारी, ज्योति जादवीन, सरोज विश्वकर्मा, एडवोकेट राजकुमार अचरणी, अमोल सिंह राजपूत, भागुप्रताप सिंह, विनीत टहनगुरिया, श्रीमती संध्या डूबे, डॉ. अरुण मिश्रा, दीपाशु शुक्ला का उत्कृष्ट योगदान रहा।



जबलपुर। मां नर्मदा होम में हरतालिका तीज पर फुलेरा पूजन

नगर कांग्रेस ने त्योंहारों के पहले रोड़ों की मरम्मत कराने सौपा झापन
बरैला। नल जल योजना के अंतर्गत पूरे नगर में पाईप लाईन डालने के बाद प्रत्येक वार्ड की सड़कों को खोद गया है खोदने के बाद कई महीनों से अशुभरी सड़कों का मरम्मत कार्य नहीं किया गया है गणेशोत्सव, और दुर्गाोत्सव पर्व आ रहे हैं जगह जगह समितियों द्वारा प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं फूटी फूटी सड़क, गड्ढों से नगर के लोग आये दिन परेशानी का सामना कर रहे हैं गालियों में लोग दुर्दृष्टताग्रस्त हो रहे हैं पैदल चलने वालों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है कई वार्डों में सबसे ज्यादा लोकसागर मुहल्ला, कोतवाली, बर्मान मोहल्ला, गंज मोहल्ला, बी टी आई की स्थिति गंभीर रूप से बर्नी हुई है। आने वाले त्योंहार समीप है। जिनकी तैयारी में यह सड़कें बाधा बर्नी हैं। मांग कि है त्योंहारों के पूर्व नगर की सड़कों का कार्य पूरा करने झापन सौपा गया है इस अवसर पर जिला महासचिव अरविंद तिवारी, मंडलम अध्यक्ष विपिन झाविया, हाजी जहीर अहमद, बट्टी पांडे, रामजी रेकरवार, अखुराग पटेल, पाषंड शूपेन्द्र यादव आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।



रोटरी क्लब एक्सिलेंस का पदस्थापना समारोह सम्पन्न

जबलपुर। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर एक्सिलेंस का पदस्थापना एवं प्रांतपाल की आधिकारिक यात्रा समारोह उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। रोटेरियन अशोक साहू ने अध्यक्ष और रोटेरियन अभिषेक अग्रवाल ने सचिव पद ग्रहण किया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन अमित जायसवाल और विशिष्ट अतिथि सीए अखिलेश जैन रहे। पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन आशीष कुमार जैन ने कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में रोटेरियन अभिषेक केसरवानी, अखिलेश बदशा, अंकुर माहेश्वरी, अमित जैन, डॉ. योगेश शर्मा, एम.एस.वी. राव, आर.के. चोक्से सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। पाँच नए सदस्यों को क्लब की सदस्यता दी गई। संचालन अनुभूति बदशा ने किया व आभार रोटेरियन मयंक ठाकुर ने माना।

हिजोतिया मोड़ से बिलहरी मार्ग के उड़े परखच्चे

बरैला। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत कुछ वर्षों पूर्व बरैला पड़वार मार्ग पर हिजोतिया मोड़ से बिलहरी मार्ग का निर्माण कराया गया था। वर्तमान में दो वर्ष पूर्व 37 लाख की लागत से इस रोड का नवीनीकरण किया गया था किंतु इस रोड पर हैवी वाहन चलने के कारण यह रोड कुछ माह में ही पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो गई है तथा इस रोड में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं तथा रोड के दोनों तरफ शाल्टर पट्टी का नाम तक नहीं है इसके कारण लोगों को आने-जाने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस रोड का नवीनीकरण हो जाने के पश्चात भी ठेकेदार द्वारा इस रोड की बारिश पूर्व मरम्मत नहीं की गई थी जिसके कारण बारिश होने पर यह रोड और भी कीचड़ में तब्दील हो गई है। स्थानीय निवासी गुड्डा श्रीपाल, मुन्ना श्रीपाल ने बताया कि इस रोड से



दोपहिया वाहन से भी निकलना मुश्किल है किंतु इसके बावजूद भी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों द्वारा इस रोड का निरीक्षण न करने और ठेकेदार द्वारा समय समय पर इस रोड की दुरुस्ती नहीं की जा रही है। इसकी वजह से लोगों को बारिश में इस गड्ढे वाली सड़क से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्राम बिलहरी की राशन दुकान के पास रोड पूर्णता गड्ढों में तब्दील हो गई है। बताया जाता है कि ठेकेदार द्वारा इस रोड का नवीनीकरण होने के पश्चात समय समय पर कार्य नहीं कराया गया है। ठेकेदार द्वारा केवल बोर्ड वगैरह ही बदले गए हैं किंतु मटेनेंस के नाम पर कोई भी कार्य नहीं किया गया है जिसके कारण लोगों को इस बारिश में मुश्किलों से जूझना पड़ रहा है। इनका कहना है श्रद्धा भार्गव शुक्ला महाप्रबंधक जबलपुर..... बारिश के समय रोड में बी टीकार्य करना मुश्किल है बारिश के पश्चात इस रोड का प्राथमिकता से मटेनेंस कराया जाएगा।

आदिवासी बच्चों को वितरित किए गए स्कूल बैग

बरैला। आदि ज जा सामा संघ जबलपुर द्वारा समाज के लिए शिक्षा और रोजगार का थीम लेकर ग्राम कुकड़ीखेडा में सरपंचकृष्णा कुशारे की अध्यक्षता और डी एस मरावी जी के विशिष्ट आतिथ्य में एक कार्यक्रम शाला प्रांगण में रखा गया जिसमें संघ के समस्त पदाधिकारियों द्वारा समाज की बुराइयों, कुरीतियों और नशा पर कठोर प्रहार करते हुए शिक्षा और रोजगार जीवन में निखार लाता है की धारणा को साकार करने पर जोर दिया गया। शाला त्यागी बच्चों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया और यह सन्देश दिया गया कि जब तक हम शिक्षा नोकरी के मकसद से



लेंगे तो हमारे समाज में नौकर ही पैदा होंगे अगर हम रोजगार में आने के मकसद से पढ़ेंगे तो मालिक पैदा होंगे। अंत में सभी विद्यार्थियों को पेन, कापी, बैग और पेंसिल, सार्पनर आदि वितरण किया गया।

शिक्षकों की ई-अटेंडेंस पर विरोध, आदेश वापस लेने की मांग

जबलपुर। मध्यप्रदेश कर्मचारी कांग्रेस के प्रांतीय महासचिव रजनीश पटेल ने लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा 20 अगस्त को जारी आदेश क्रमांक 1074 का विरोध करते हुए कहा कि शिक्षक 3.0 पौल पर केवल शिक्षकों के लिए ई-अटेंडेंस लागू करना अनुचित है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के चलते ई-अटेंडेंस लागू करना व्यावहारिक नहीं है, जिससे शिक्षकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पटेल ने बताया कि शिक्षक समाज निर्माण की रीढ़ होते हैं और उज पर अविश्वास जताना पूरे समाज पर अविश्वास करने जैसा है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व क्षेत्र कंपनी के चयनित 422 कर्मचारियों को दिए नियुक्ति-पत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार विभिन्न विभागों में नियुक्तियों की जा रही हैं। ऊर्जा विभाग अंतर्गत भी विभिन्न बिजली कंपनियों में परीक्षा के बाद कर्मचारियों को चयनित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पूर्व क्षेत्र कंपनी में चयनित 422 कर्मचारियों को रवीन्द्र भवन में 26 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में नियुक्ति-पत्र वितरित किए, जिसमें ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व क्षेत्र कम्पनी के प्रबंध संचालक सहित सभी विद्युत कंपनी के प्रबंध



संचालक भी उपस्थित रहे। इस दौरान बिजली कंपनियों के लिए नवीन संगठनात्मक संरचना स्वीकृत करने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रदर्शन भी किया गया, पूर्व क्षेत्र कंपनी के चयनित पदों में बिजली इंजीनियर-36 सिविल इंजीनियर-3, विधि सहायक-3, लाइन अटेंडेंट-380 को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। समारोह में नियुक्ति पत्र पाने वाले युवाओं साथ उनके परिजन भी शामिल रहे। इस अवसर पर पूर्व क्षेत्र कंपनी की उपलब्धियों एवं नवाचार की प्रशंसा भी प्रभाई गई।

खालसा महाविद्यालय में विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय के विधि विभाग द्वारा भारत में संवैधानिक नैतिकता एवं वर्तमान विधिक परिदृश्य विषय पर मंगलवार को एक विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन निदेशक डॉ. आर. एस. चंडेक के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती निर्मला नायक रहीं। उन्होंने संवैधानिक नैतिकता की अवधारणा, महत्व एवं वर्तमान प्रासंगिकता पर विचार साझा किए। निदेशक डॉ. चंडेक, डॉ. अंजू पाठक एवं डॉ. आरती शुक्ला ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अशुली चतुर्वेदी ने किया एवं समापन डॉ. आरती शुक्ला के आभार प्रदर्शन से हुआ। आयोजन में प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।



निधन

श्री अखिलेश तिवारी - सिहोरा, ज्वालामुखी वार्ड क्रमांक 2 निवासी 52 अखिलेश तिवारी का 47 साल की उम्र में निधन हो गया था। अंतिम संस्कार बाबाताल स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे सुरेन्द्र तिवारी के पुत्र एवं संजय, पत्रकार सतेन्द्र, उपेन्द्र तिवारी के भाई थे। श्रीमती अंजू चौहान- बी 51, रतन नगर एलआईसी के पास मदनमहल निवासी श्री दीपक चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती अंजू चौहान (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुनेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री संदीप पटेल- रामपुर पटेल मोहल्ला निवासी श्री वृंदावन पटेल के पुत्र श्री संदीप पटेल (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री भाला बाई कोल- चंडालभाटा ट्रांसपोर्ट निवासी श्री छोटे लाल कोल की धर्मपत्नी श्रीमती कला बाई कोल (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया। श्रीमती सुनीता शर्मा- साकार उदय तुलसी नगर चेरीताल निवासी श्री सुधीर शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता शर्मा (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती चौरसिया बाई चौधरी- राधाकृष्णन वार्ड झंडा चौधरी श्री श्रीमती श्री पूरन लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती चौरसिया बाई चौधरी (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री बल्लू पटेल- मंडला निवासी श्री बल्लू पटेल (56) का

निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री कैलाश सोनकर- दाल मैदान घमापुर निवासी श्री कैलाश सोनकर (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती मीना तालुकदार- रंझी स्टेट जोसफ स्कूल के पीछे निवासी श्री माधव कुमार तालुकदार की धर्मपत्नी श्रीमती मीना तालुकदार (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री शालिग्राम चौरसिया- ब्यौरबाग निवासी श्री शालिग्राम चौरसिया का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री नंदन कुमार बरूआ- डिफेंस कॉलोनी फेस 2, बिलपुरा निवासी श्री नंदन कुमार बरूआ (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भुवनेश्वर प्रसाद शुक्ला- सिद्धबाबा वार्ड पटेल मोहल्ला निवासी श्री भुवनेश्वर प्रसाद शुक्ला (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री शुभम ग्वालवंश- पूर्वी घमापुर विनोबा भावे वार्ड निवासी उमाशंकर ग्वालवंश के पुत्र श्री शुभम ग्वालवंश (29) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री नंदन कुमार बरूआ- डिफेंस कॉलोनी फेस 2, बिलपुरा निवासी श्री नंदन कुमार बरूआ (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

बलिदान दिवस मनावे बैठक आयोजित

सिहोरा। देश का गौरव जबलपुर के गोंडराजा अमर शहीद महाराजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह के 168 वें बलिदान दिवस को मनावे के लिए बैठक का आयोजन पतेलगढ चंडीमार्ड प्रांगण राजा भंडरा पतेलगढ सामाजिक उत्थान समिति के संयोजन में किया गया जिसमें गोंड समाज महासभा सिहोरा, गोंडवाना सामाजिक उत्थान समिति कर्ना, जय मां रेवा जन विकास समिति, गोंडवाना नवयुवक सर्व समिति छिचोया, गोंडी धर्म संस्कृति संरक्षण समिति जबलपुर, शहीद कुंदन सिंह सर्व आदिवासी संगठन बधराजी सहित अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर विचार व्यक्त किए एवं सुझाव दिए।

एक शाम मुकेश के नाम आज

सिहोरा। महान गायक मुकेश की 49 वीं पुण्यतिथि पर मझौली बायपास स्थित ध्वनि मैरिज गार्डन में आज बुधवार को सायं 7 बजे से म्यूजिक डायरेक्टर दिनेश खड्गुतिया जबलपुर के डायरेक्शन में संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें नगर के चुनिंदा कलाकारों द्वारा मुकेश जी के शानदार पुराने गीत प्रस्तुत किए जायेंगे। आयोजन में सभी संगीत प्रेमियों से पहुंचने की अपील की गई।

<p>CHANGE OF NAME</p> <p>I, WAS KNOWN AS NAZ PARVEEN I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS NAAZ PARVEEN W/O ZAKIR AHMED KHAN RESIDENT OF HO. NO. 24/G, ABHINAV COMPLEX OPPOSITE G.S. COLLEGE, SOUTH CIVIL LINES, JABALPUR (M.P.) 482001</p> <p>CHंडेक DEPONENT</p>	<p>CHANGE OF NAME</p> <p>I, WAS KNOWN AS ZAKIR AHMAD I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS ZAKIR AHMED KHAN S/O ABDUL AZIZ KHAN RESIDENT OF HO. NO. 777 (24/G, ABHINAV COMPLEX) 2ND FLOOR, SOUTH CIVIL LINE, OPPOSITE G.S. COLLEGE, JABALPUR (M. P.) 482001</p> <p>DEPONENT</p>
--	---



छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा जिला अपनी धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए भी पूरे विश्व में विख्यात है। बारसूर गांव में एक ही स्थान पर 147 प्राचीन मंदिर मौजूद हैं। इन मंदिरों में भगवान शिव, विष्णु, पार्वती और गणेश की अद्भुत प्रतिमाएं स्थापित हैं। खासकर जुड़वा गणेश की प्रतिमा, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग पहुंचते हैं।

दुनिया में अनोखी! एक पत्थर से तराशी गई गणपति की जुड़वा मूर्तियां

जुड़वा गणेश

बारसूर गांव को देवनगरी कहा जाता है, क्योंकि यहां रियासत काल में 147 मंदिर और 147 तालाब थे। आज भी यहां के मंदिर इतिहास और आस्था का संगम पेश करते हैं। इस देवनगरी में विश्व की तीसरी बड़ी भगवान गणेश की प्रतिमा है। जिसे जुड़वा गणेश कहा जाता है।

जुड़वा गणेश की अद्भुत प्रतिमा

बारसूर का गणेश मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां एक ही पत्थर पर बनी जुड़वा गणेश की प्रतिमा है, जो हजार साल पुरानी बताई जाती है। यह प्रतिमा दुनिया की पहली और एकमात्र जुड़वा गणेश प्रतिमा है।



विशालकाय गणेश मूर्तियां

मंदिर में भगवान गणेश की दो प्रतिमाएं हैं। एक 7.5 फीट ऊंची और दूसरी 5.5 फीट ऊंची। दोनों प्रतिमाएं मोनोलिथिक हैं, यानी इन्हें एक ही विशाल पत्थर से गढ़ा गया है। इसे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा माना जाता है।

चित्रलेखा की भगवान गणेश के प्रति आस्था

कहा जाता है कि 11वीं शताब्दी में बस्तर के नागवंशी शासक राजा बाणासुर ने यह प्रतिमा बनवाई थी। यह उनकी बेटी उषा और मंत्री कुर्बांडु की बेटी चित्रलेखा की भगवान गणेश के प्रति आस्था का प्रतीक है।



श्रद्धालु

इस गणेश चतुर्थी पर जुड़वा गणेश मंदिर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। बस्तर भ्रमण करने वाले पर्यटक यहां आकर इस अनोखी प्रतिमा और मंदिर की भव्यता का अनुभव जरूर करते हैं।

रोचक खबरें

ऑस्ट्रेलिया में मिला 1.6 करोड़ साल पुरानी मकड़ी का जीवाश्म



कैसा हुआ करता था ये इलाका?

यह जीवाश्म न्यू साउथ वेल्स में गुलगांवा के पास मैकग्राथ्स फ्लैट नाम की जगह पर मिला है। इस जगह पर हाल ही में मायोसीन युग के कई जीवाश्म मिले हैं। आज इस क्षेत्र में खुले घास के मैदान हैं, लेकिन जब यह मकड़ी जिंदा थी तब यह हरा-भरा वर्षावन हुआ करता था।

सिडनी। पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में एक दूर-दराज की जगह पर वैज्ञानिकों की एक टीम ने बहुत ही पुरानी मकड़ी का जीवाश्म खोजा है। इसे जिस तरह से बचाया गया है और इसका आकार इतना खास है कि इसने वैज्ञानिकों के इस महाद्वीप पर मकड़ियों के विकास को देखने का नजरिया ही बदल दिया है। यह मकड़ी डायनासोर के खत्म होने के बहुत बाद तक जिंदा रही। इसकी बनावट इतनी शानदार है कि इसकी तुलना ऐसे शिकारी से की जा रही है, जो पुराने समय में बड़े-बड़े जीवों के बीच भी रह सकता था।

यह जीवाश्म न्यू साउथ वेल्स के मैकग्राथ्स फ्लैट में मिला है और यह नई प्रजाति कि ट्रेपिडोर मकड़ी का है जिसका नाम मेगामोनोडॉटियम मैकग्राथ्सकी है। यह मकड़ी 23 मिलीमीटर से भी ज्यादा लंबी है, जो ऑस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली आज की मकड़ियों से 5 गुना बड़ी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह ऑस्ट्रेलिया में मिला अब तक की सबसे बड़ी जीवाश्म मकड़ी है। ऑस्ट्रेलिया में अब तक सिर्फ 4 मकड़ियों के ही जीवाश्म मिले हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये 1.1 से 1.6 करोड़ साल पहले मौजूद था।

भीलवाड़ा में अनोखी परंपरा निभाई, अच्छी बारिश के बाद गधों को गुलाब जामुन की दावत!

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा जिले में इस बार मानसून ने जमकर मेहरबानी दिखाई है। इंद्र देवता की कृपा से खेत-खलिहानों में हरियाली लौट आई है और किसानों के चेहरों पर मुस्कान खिल गई है। इसी खुशी को व्यक्त करने के लिए जिले के गंगापुर-सहाड़ा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत महेंद्रगढ़ में ग्रामीणों ने एक अनोखी परंपरा निभाई है। अच्छी बारिश होने के बाद आभार जताने के लिए गांव में गधों को गुलाब जामुन की दावत दी गई है। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए और गधों को सजाकर, तिलक लगाकर, माला पहनाकर व उनकी आरती उतारकर खुशियां बांटीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इस अद्भुत नजाकत का आनंद लिया और तालियां बजाकर अपनी खुशी जाहिर की। ग्रामीणों ने बताया कि यह परंपरा बहुत पुरानी है, मान्यता है कि जब बारिश नहीं होती तो गधों को खास तौर पर याद किया जाता है और उन्हें दावत देकर खुश किया जाता है। कहा जाता है कि गधों के सम्मान से भगवान इंद्र प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है। यही कारण है कि ग्रामीणों ने संकल्प लिया था कि यदि गांव में झमाझम बरसात होगी तो गधों को गुलाब जामुन खिलाए जाएंगे।



आनंद लिया और तालियां बजाकर अपनी खुशी जाहिर की। ग्रामीणों ने बताया कि यह परंपरा बहुत पुरानी है, मान्यता है कि जब बारिश नहीं होती तो गधों को खास तौर पर याद किया जाता है और उन्हें दावत देकर खुश किया जाता है। कहा जाता है कि गधों के सम्मान से भगवान इंद्र प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है। यही कारण है कि ग्रामीणों ने संकल्प लिया था कि यदि गांव में झमाझम बरसात होगी तो गधों को गुलाब जामुन खिलाए जाएंगे।

कोलंबिया में मिली इंसानों की 6000 साल पुरानी प्रजाति, डीएनए रिसर्च में चौंकाते वाला खुलासा

बोगोटा। कोलंबिया के वैज्ञानिकों ने बोगोटा के पास खुदाई में मिले प्राचीन अवशेषों के डीएनए की पूरी जांच करने के बाद इंसान की नई प्रजाति की खोज की है। इसके बारे में पहले कोई भी जानकारी मौजूद नहीं थी। वैज्ञानिकों ने इस समूह को चेकुआ नाम दिया है, जो करीब 6,000 साल पुराना है। इससे पहले कभी भी इनके जीन की पूरी जांच नहीं की गई थी। नेशनल यूनिवर्सिटी के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट ने इस पर और कई सारी जानकारियां दी हैं। नेशनल यूनिवर्सिटी के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट की रिसर्च डॉ. एंड्रिया कासा ने बताया, जब हमने इसकी तुलना अमेरिका के दूसरे हिस्सों से मिले जीवों से करना शुरू की तो पता चला कि कुंडीबॉयसेंस पठार पर मिले ये जीव एक ऐसे वंश के थे, जिनके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली थी, यह एक नया वंश है। चेकुआ में हुई इस खोज में 30 लोगों के अर्ध अवशेष और एक लगभग सही-सलामत खोपड़ी मिली है। इस समूह के 6 लोगों के डीएनए की जांच पूरी हो चुकी है, जिन्हें 1987 और 2003 के बीच अलग-अलग खोजों में मिले अन्य

अवशेषों के साथ इस प्रोजेक्ट में शामिल किया गया था। कासा ने बताया, चेकुआ के अवशेषों के उलट बाकी अवशेषों का डीएनए पनामा में मिले अवशेषों से मिलता-जुलता है। इससे पता चलता है कि वे उन समूहों का हिस्सा थे, जो करीब 20,000 साल पहले बेरिंग जलडमरूमध्य से दक्षिण की तरफ पलायन करते हुए मध्य अमेरिका और कोलंबिया से होकर गुजरे थे।

चेकुआ से आए लोगों का क्या हुआ?

वैज्ञानिकों को इस बारे में पूरी तरह से जानकारी नहीं है। लेकिन, कासा ने बताया कि हो सकता है कि ये समूह एक अलग-थलग रहने वाला शिकारी और खानाबदोश समुदाय रहा हो। उन्होंने यह भी कहा कि ये समूह मौसम की वजह से किसी बीमारी से या खाने की कमी के कारण खत्म हो गया होगा।

एआई से बनी लगती है दुनिया की सबसे दुर्गम लाइब्रेरी, चट्टान पर लगी हैं किताबें!



बीजिंग। इंसान जहां रहता है वहां सारी सुविधाएं भी चाहता है। वह चाहता है कि इन सुविधाओं के साथ उसे कुदरत का साथ भी मिले तो कितना अच्छा होगा। यही वजह है कि शहर यूं तो सुविधाओं से भरपूर होते हैं, फिर भी बहुत से लोग शहरों को पसंद नहीं करते हैं। वे कुदरत के समीप रहने के साथ ही शांति और एकांत भी चाहते हैं, जो उन्हें शहरों में नहीं मिल सकता है। लाइब्रेरी भी ऐसी जगह है जहां लोग शांति से पढ़ना चाहते हैं और वहां दुनिया की हर किताब पढ़ने को मिल सके। फिर भी ज्यादा से ज्यादा लोगों की पहुंच बनी रहे लाइब्रेरी बहुत दूर या एकांत में नहीं बनाई जाती है। पर चीन के गुआंक्सी प्रांत के मियानहुआ गांव के पास स्थित मियानहुआ लाइब्रेरी एक अनोखा पुस्तकालय है, जिसे चट्टान की दीवार में बनी एक बड़ी गुफा में बनाया गया है।

अलग ही नजारा दिखता है बाहर से

यहां पहुंचने से पहले आपको बिल्कुल भी अहसास नहीं होगा कि आप किसी लाइब्रेरी में जा रहे हैं। बाहर से देखने पर आपको लगेगा कि चट्टानों पर लटकने वाले लकड़ी के रास्ते और बालकनियां बनाई गई हैं। लेकिन, अंदर पहुंचने के बाद हालात बिल्कुल ही अलग नजर आते हैं। आपको दीवार पर हजारों की संख्या में किताबें ही किताबें रखी नजर आती हैं।

खासे रखरखाव की जरूरत

दिलचस्प बात ये है कि लाइब्रेरी पूरी तरह से गुफा के अंदर नहीं है। इसके चट्टान की तरफ के रास्ते और किताबें रखने की जगहों को मौसम, खास तौर से नमी ने बचा कर रखा हुआ है। किताबों को खास तौर से नम हवा से बचाने में महत्वकत करनी होती है। यहां तक कि तापमान भी कायम रखा जाता है।

इसी साल खुली है ये लाइब्रेरी

खास बात ये है कि ये लाइब्रेरी इस साल मई में खुलने के बाद से ही चीनी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। आमतौर पर लाइब्रेरी ऑनलाइन चर्चा का विषय नहीं बनती, लेकिन यह साधारण लाइब्रेरी नहीं है। यह न केवल पुस्तक प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है, बल्कि उच्च यात्रियों के लिए भी खास जगह है जो मनमोहक नजारों की तलाश में रहते हैं।

टूरिस्ट प्लेस के तौर पर ज्यादा मशहूर

ऐसा नहीं है कि यह चट्टान किसी शहर में या शहर के पास है। मजेदार बात ये है कि ये पूरी तरह से वामीण इलाकें में बनी है। स्थानीय लोग तो इस लाइब्रेरी में तो आ सकते हैं, लेकिन यह लाइब्रेरी पुस्तकालय के रूप में नहीं, बल्कि एक टूरिस्ट प्लेस के तौर पर ज्यादा मशहूर हो रही है। यहां चीन के कोने-कोने से लोग आते हैं और यहां के कुदरती नजारे उन्हें निराश भी नहीं करते हैं।

एआई का नहीं है कगाल

जी हां, यहां आकर आप कुदरत के अनूठे नजारों का आनंद ले सकते हैं। दिलचस्प बात ये है कि हरी-भरी वादियों से घिरी ये लाइब्रेरी ऊंची चट्टान के किनारे बसा हुआ है। देखने में ऐसा लगता है मानो इसे आर्टिफिशियल इंटेलेजेंस की मदद से बनाया गया है। लेकिन असल में यह चट्टानों को काट कर बनाई गई है।

विज्ञान ने भी माना...हिमालयी जड़ी बूटियों में है बीमारियों का इलाज

नई दिल्ली। सदियों से आदिवासी हिमालय के औषधीय पौधों में पाई जाने वाली दवाइयों के तत्वों का इस्तेमाल इलाज के लिए करते आ रहे हैं। अब इस पुराने इलाज के तरीकों को वैज्ञानिकों की मान्यता मिल गई है। यह रिसर्च शूलिनी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राधा ने की है। उनकी रिसर्च एथनोफार्माकोलॉजी और केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी जैसी बड़ी पत्रिकाओं में छपी है। इस रिसर्च से हिमालय की जनजातियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक तरीके सही साबित हुए हैं। यह अहम खोज बॉम्बेक्स सीबा के फूलों पर हुई है। आदिवासी समुदाय लंबे समय से इन फूलों का इस्तेमाल अस्थमा, बुखार, घाव और पाचन से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए करते आ रहे हैं। डॉ.राधा की रिसर्च से पता चलता है कि इन फूलों में फिनोल, फ्लेवोनोइड और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं। ये तत्व



इसे सृजन कम करने और कोशिकाओं को ठीक करने में काफी असरदार बताते हैं।

कितने औषधियों पर हुई रिसर्च?

गद्दी, किन्नौरा और जौनसारी जैसी हिमालयी जनजातियों के सर्वे के आधार पर डॉ. राधा ने 1600 से ज्यादा औषधीय और खाने लायक पौधों के बारे में जानकारी इकट्ठा की। इनमें से टिनोस्पौरा कॉर्डिफोलिया (गिलोय) अपने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और संक्रमण से लड़ने वाले गुणों के लिए जाना जाता है जो इंसान और जानवर दोनों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

एडवॉर्ड नेशनल रिसर्च फाउंडेशन की मदद से भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर किया गया। उनका काम दिखाता है कि कैसे पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ मिलाकर दुनिया भर की स्वास्थ्य समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। डॉ. राधा ने कहा, यह यात्रा सिर्फ रिसर्च नहीं, बल्कि हिमालय की विरासत का सम्मान करते हुए भविष्य के लिए टिकाऊ दवाइयां और खाने की चीजों के बारे में है।

इन नतीजों से क्या साबित होता है?

सृजन को कम करने और कोशिकाओं को ठीक करने में असरदार इन तत्वों की वैज्ञानिक मान्यता मिलने से ये साबित होता है कि, इन फूलों का इस्तेमाल खास से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए खास तरह के खाने से लेकर सर्पिन्टिस बनाने में भी किया जा सकता है। इसके अलावा एक जर्नल रिसर्च प्रिसेपिया यूटिलिस नाम के पौधे पर की गई। इस पौधे का इस्तेमाल पारंपरिक तौर पर घाव भरने और त्वचा की देखभाल करने के लिए किया जाता है।

महिलाओं के लिए बने 5 अजीबोगरीब कानून जो सुनने में आपको लग सकते हैं मजाक

नई दिल्ली। यमन देश के कानून में महिलाओं को 'आधा गवाह' माना जाता है। यानी कि यमन की अदालतें महिलाओं की गवाही को पूरा नहीं मानती। अगर इन्हें पुरुष का समर्थन ना मिले तो उनकी गवाही को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

पति की मर्जी के बिना नहीं मिलता तलाक: इजराइल में जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, इजराइल में कानूनी अदालतें यहूदी कानून के आधार पर चलती हैं। यहां जो महिलाएं अपने पतियों से तलाक लेने की कोशिश करती हैं, उन्हें पहले अपने पति से मंजूरी लेनी होती है।

पुरुषों के खेल से दूर: ईरान में मौजूद इस्लाम धर्म गुरुओं के मुताबिक, महिलाओं को पुरुषों के खेल से दूर रहना चाहिए। जिस कारण यहां की महिलाएं मैदान में जाकर फुटबॉल मैच नहीं देख सकतीं।



रूस: महिलाओं को कुछ खास नौकरियां (जैसे मेट्रो ड्राइवर, जहाज के डेक पर काम, खतरनाक फैक्ट्री जॉब्स) करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन 2021 में इन पर लगे कई प्रतिबंध हटाए गए हैं।

मशीन नहीं कर सकतीं ठीक: पाकिस्तान में महिलाओं को मशीनों को ठीक करने की इजाजत नहीं है। यहां कानून बनाने वाले लोगों को ऐसा लगता है कि ये काम सिर्फ पुरुषों का है, इसलिए महिला को इससे दूर रहना चाहिए।

नींद में भी लाखों कमा रही महिला, सोता देखने के लिए लोग देते हैं रुपए



ब्रासीलिया हवे। आजकल पैसे कमाना काफी आसान है बस आपको कमाने का सही तरीका पता होना चाहिए। एक महिला सिर्फ नींद में लाखों कमा ले रही है। ये एक कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर है, जिसे सोता देखने के लिए लोग लाखों रुपए खर्च कर दे रहे हैं। महिला ने अब अपनी लाइफ के बारे में बताया है। आप भी कमाने का ये तरीका जानकर हैरान हो जाएंगे। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट ने कंटेंट क्रिएशन को एक अलग ही आयाम दे दिया है। कभी सिर्फ मनोरंजन के लिए बनाई जाने वाली सामग्री अब करोड़ों की कमाई का जरिया बन चुकी है। इसी कड़ी में ब्राजील की एक 32 वर्षीय इन्फ्लुएंसर डेबोरा पिक्सोटो का नाम सामने आया है, जो अपनी अनोखी स्ट्रीमिंग के जरिए सुर्खियों में हैं। डेबोरा दावा करती हैं कि उनके फैंस उन्हें सिर्फ सोते हुए देखने के लिए पैसे चुकाते हैं। उनका कहना है कि लोग उन्हें रात भर सोते हुए लाइव देखने के लिए 84 पाउंड (लगभग 115 डॉलर यानी करीब 9,500 रुपए) तक खर्च करने को तैयार हैं। डेबोरा ने इस अपना 'नाइट टाइम रियलिटी शो' नाम दिया है, जिसमें हर रात करीब 40 लोग उनके सोने का लाइव दृश्य देखते हैं।

बेच चुकी हैं 40 से ज्यादा सल्फक्रिप्शन

भले ही यह कॉन्सेप्ट थोड़ा असामान्य लगे, लेकिन डेबोरा ने यह भी सुनिश्चित किया है कि उनकी निजता सुरक्षित रहे। पूरा स्ट्रीमिंग सिस्टम उन्हीं के नियंत्रण में है और इस तरह से डिजाइन किया गया है कि उनकी प्राइवसी से कोई समझौता न हो। डेबोरा कहती हैं, 'आइडिया यह है कि दर्शकों को ऐसा लगे जैसे वह मेरे कमरे में मौजूद हैं। कुछ नहीं होता, और यही बात लोगों को पसंद आती है। जहां कोई स्टिम्यूलस नहीं है, वहीं उनके लिए यह स्टिम्यूलस बन जाता है।' डेबोरा का कहना है कि अब तक वह 40 से ज्यादा सल्फक्रिप्शन बेच चुकी हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है दिलचस्प बात यह है कि यह दर्शक बहुत लॉयल हैं और बार-बार उनकी इस अनोखी सेवा का हिस्सा बनना चाहते हैं। उनका कहना है कि हर व्यक्ति को कंटेंट में अलग-अलग चीजें चाहिए होती हैं। जहां कुछ लोग एक्शन, ड्रामा या रोमांच चाहते हैं, वहीं उनके दर्शकों के लिए यह खामोशी और नजदीकी का एहसास ही सबसे बड़ी आकर्षण शक्ति है।

9 हजार से ज्यादा रुपए करती है चार्ज

डेबोरा बताती हैं कि शुरू में उन्हें यह सब अजीब लगा, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने महसूस किया कि उनके दर्शकों को इसमें एक अलग तरह की शांति और अपनापन महसूस होता है। उनके मुताबिक, कई पुरुष उन्हें मैसेज भेजकर कहते थे कि उन्हें कुछ करने की जरूरत नहीं है, सिर्फ वहां खामोशी में मौजूद रहना ही काफी है। इसी मांग को देखते हुए उन्होंने इसे एक कमर्शियल प्रोडक्ट में बदलने का फैसला किया। डेबोरा ने अपने कमरे को इस तरह से सजाया है कि यह एक सिक्वोरिटी कैमरा फुटेज जैसा दिखे। हल्की रोशनी वाला कमरा, फिक्स्ड कैमरा एंगल, बिना किसी बैकग्राउंड म्यूजिक या कट के, पूरा सेटअप ऐसा है मानो कोई कैमरा सीधे उनके बेडरूम में लगा हो।